राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

अपने पूर्वजों के प्रति नतमस्तक और अपनी विरासतों पर गौरवान्वित समाज ही राष्ट्रीय एकता और प्रगति में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है–राज्यपाल

पटना, 14 अक्टूबर 2018

''भारत एक ऐसा देश है, जहाँ विभिन्न भाषाओं, वेश–भूषा–परिधानों, संस्कृतियों, विचारों, धर्मों आदि के लोग एक साथ मिलकर रहते हैं। सभी एक दूसरे का सम्मान करते हैं और पूरी उदारता के साथ वैचारिक भिन्नता के बावजूद राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को मजबूती प्रदान करते हैं।'' –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने स्थानीय अग्रसेन भवन में आयोजित 'महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव' का उद्‌घाटन करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सभ्यता अनेक आक्रमणकारियों के हमलों को झेलकर आज भी अखंड और अक्षुण्ण बनी हुई है। यह इसकी जीवन्तता का परिचायक है।

राज्यपाल ने कहा कि जातिवाद किसी भी समाज के लिए जहर का काम करता है, परन्तु जातीय और राष्ट्रीय स्वाभिमान तो सबमें होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने पूर्वजों के प्रति नतमस्तक रहनेवाला तथा अपनी विरासतों के प्रति गौरवान्वित समाज ही एकता के सूत्र में बँधा तेजी से प्रगति करता है।

राज्यपाल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन एक ऐसे लोकप्रिय शासक थे, जिन्होंने त्याग और परिश्रम पर आधारित समाजवादी विचारधारा तथा राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव रखने वालों को बराबर तरजीह दी। राज्यपाल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के जीवन–दर्शन और आर्थिक चिन्तन से हमें यह अभिप्रेरणा मिलती है कि देश में शांति, भाईचारा और राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनानेवाली लोकतांत्रिक शासन–व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए त्याग, समर्पण और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होती है। श्री टंडन ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के वंशज अग्रवाल समाज के लोग आर्थिक संचय के साथ–साथ, सामाजिक कल्याण के लिए त्याग तथा नवनिर्माण के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। श्री टंडन ने कहा कि देश के हर कोने में अग्रवाल समाज के लोग अपने उपार्जन से बचाकर धर्मशाला, पुस्तकालय, चिकित्सालय आदि आधारभूत संरचनाओं का नवनिर्माण कराते हैं तथा विभिन्न स्वास्थ्य एवं कल्याणकारी कैपों का आयोजन भी करते रहते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि आज देश का नवनिर्माण हो रहा है। देश सबल–सशक्त बन रहा है। प्राचीन भारतीय सांस्कृतिक परम्पराएँ अँगड़ाई लेकर पुनः नये स्वरूप में सामने आ रही हैं। भारत पूरी दुनियाँ की अगुआई के लिए तैयार है। श्री टंडन ने कहा कि भ्रष्टाचारमुक्त तथा सामाजिक समरसतामूलक समाज बनाते हुए हमें ऐसे भारत का नव–निर्माण करना है जहाँ श्रम को पर्याप्त प्राथमिकता मिले, उत्पादक को उसका सही लाभ मिले तथा जहाँ प्रतिभा की कद्र भी हो।

आगे पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल ने कहा कि आज देश में भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान छिड़ा हुआ है तथा श्रम पर आधारित अर्थव्यवस्था को प्राथमिकता मिल रही है।

राज्यपाल ने पं॰ दीनदयाल उपाध्याय को उद्धृत करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को समझना है तो दूरस्थ गाँवों में जाकर वैश्य समाज के छोटे से दुकानदार के संचय की प्रवृत्ति और त्याग की भावना –दोनों से सीखना होगा। श्री टंडन ने कहा कि अग्रवाल समाज संचय में निपुण होता है तथा दानवीरता में भी बेजोड़ है।

राज्यपाल ने अग्रवाल समाज के वैसे होनहार विद्यार्थियों, जिन्होंने बिहार बोर्ड, सी॰बी॰एस॰ई॰ एवं आई॰सी॰एस॰ई॰ की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, उन्हें पुरस्कृत भी किया। उन्होंने सामाजिक सेवा तथा समाज कल्याण के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करनेवाले अग्रवाल समाज के प्रमुख समाज–सेवियों और प्रख्यात चिकित्सकों आदि को भी पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम में बोलते हुए उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिहारवासियों को देश के किसी भी प्रान्त में जाकर बसने, वहाँ रोजगार करने और स्वाभिमानपूर्वक जीवन–बसर करने का मौलिक अधिकार प्राप्त है। उन्होंने कहा कि गुजरात प्रान्त में बिहार एवं उत्तर प्रदेश के लोगों के साथ घटित कुछ घटनाओं का वहाँ की सरकार ने संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई की है और काफी संख्या में अपराधी लोग गिरफ्तार हुए हैं तथा प्राथमिकियाँ दर्ज की गई हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वे लगातार गुजरात के मुख्यमंत्री के संपर्क में बने हुए हैं। गुजरात सरकार सभी बिहारियों और अन्य राज्यों के लोगों को भी पूर्ण सुरक्षा प्रदान करने को लेकर तत्पर है।

कार्यक्रम को अग्रसेन सेवा न्यास के अध्यक्ष श्री पी॰के॰ अग्रवाल, बिहार प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री अमर कुमार अग्रवाल, संयोजक श्री अक्ष्य अग्रवाल आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ॰ सुशील पोद्दार एवं धन्यवाद–ज्ञापन डॉ॰ गीता जैन ने किया।

.....